

---

# Vasishthapuktam Ksharaksharavarnanam

वसिष्ठप्रोक्तं क्षराक्षरवर्णनम्

## Document Information

---

Text title : Vasishthapuktam Ksharaksharavarnanam

File name : vasiShThapoktaMkSharAkSharavarNanam.itx

Category : misc, mahAbhArata

Location : doc\_z\_misc\_general

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : mahAbhArata | shAntiparva | adhyAya 291/15-20||

Latest update : November 15, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 15, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Vasishthaproktam Ksharaksharavarnanam

---

## वसिष्ठप्रोक्तं क्षराक्षरवर्णनम्

---



सृजत्यनन्तकर्माणां मडान्तं भूतमग्रजम् ।  
मूर्तिमन्तममूर्तात्मा विश्वं शम्भुः स्वयम्भुवः ।  
अणिमा लघिमा प्राप्तिरीशानं ज्योतिरव्ययम् ॥ १५ ॥

सर्वतःपाणिपादान्तं सर्वतोऽक्षिशिरोभुजम् ।  
सर्वतःश्रुतिमल्लोके सर्वमावृत्य तिष्ठति ॥ १६ ॥

छिरण्यगर्भो भगवानेष बुद्धिरिति स्मृतः ।  
मडानिति य योगेषु विरिञ्च्य षति याप्युत ॥ १७ ॥

साङ्ग्ये य पठ्यते शास्त्रे नामभिर्बहुधाऽऽत्मकः ।  
विचित्ररूपो विश्वात्मा ऐकाक्षर षति स्मृतः ॥ १८ ॥

वृतं नैकात्मकं येन कृत्स्नं त्रैलोक्यमात्मना ।  
तथैव बहुरूपत्वाद्भिश्चरूप षति स्मृतः ॥ १९ ॥

अेष वै विडियापन्नः सृजत्यात्मानमात्मना ।  
अलङ्कारं मडातेजाः प्रजापतिमलङ्कृतम् ॥ २० ॥

षति मडाभारते शान्तिपर्वणि २९ अध्यायान्तर्गतं  
वसिष्ठप्रोक्तं क्षराक्षरवर्णनं सम्पूर्णात् ।

मडाभारत । शान्तिपर्व । अध्याय २९/१५-२० ॥

mahAbhArata . shAntiparva . adhyAya 291/15-20..

Proofread by PSA Easwaran

---

pdf was typeset on November 15, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

